नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

पत्रांक.....

दिनांक : 25.09.2021

प्रकाशनार्थ

स्त्री को सृजन की शक्ति माना जाता है। इस सृजन की शक्ति को विकसित एवं परिष्कृत कर उसे सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, न्याय, विचार, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतन्त्रता एवं अवसर की समानता प्रदान करना ही नारी सशक्तिकरण का आशय है। महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार लाना है, जिससे कि सामाजिक स्वतंत्रता एवं आर्थिक समृद्धि प्राप्त कर सकें। जिसका आशय महिलाओं में उस शक्ति प्रवाह से है, जिससे वह अपने जीवन से जुड़े हर फैसले स्वयं ले सकती हों साथ ही परिवार एवं समाज में सम्मानजनक जीवन यापन कर सकें।

उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में बी.एड्. विभाग में मिशन शक्ति के अन्तर्गत ''नारी सशक्तिकरण'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए श्रीमती शीलम बाजपेयी (प्रमुख समाज सेवी एवं शिक्षिका) ने कही।

उन्होंने कहा कि आज आधुनिक समय में नारी सशक्तिकरण एक विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। हमारे आदि ग्रन्थों में नारी के महत्व के विषय में यहाँ तक बताया गया है कि 'यत्र नार्यस्तु पुज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता', अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। लेकिन विडम्बना यह है कि नारी में इतनी शक्ति होने के बावजूद भी उसके सशक्तिकरण की आवश्यकता महसूस हो रही है। राष्ट्र के विकास में महिलाओं का महत्व और अधिकार के बारे में समाज में जागरूकता लाने के लिए मातृ दिवस, मिशन शक्ति आदि कार्यक्रम सरकार द्वारा चलाये जा रहे है।

भारत पुरुष प्रधान देश है, जहाँ महिला साक्षरता सर्वत्र पुरुष से कम है। भारत में लगभग 50 प्रतिशत ऐसी जनसंख्या महिलाओं की है जो अभी तक सशक्त नहीं हैं, जो कई सामाजिक कुरीतियों के बन्धनों से बंधी है, ऐसी स्थिति में हम कह सकते हैं कि भविष्य में हमारी आधी आबादी को सशक्त किए बिना हमारा देश विकसित नहीं हो पायेगा। प्राचीन परम्पराएं, राष्ट्रवादी विचार धाराएं, अशिक्षा, घरेलू हिंसा, कार्यक्षेत्र पर होने वाला शोषण, भुगतान असंतुलन, आनर किलिंग एवं कन्या भ्रूण हत्या महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रमुख बाधाएं हैं।

भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला शक्ति केन्द्र, महिला हेल्प लाइन (181, 1090), आगनबाड़ी, महिला

ई–हॉट, मिशन शक्ति आदि कार्यक्रम चलाये जा रहे है। मिशन शक्ति का उद्देश्य नारी सुरक्षा नारी स्वालम्बन व नारी सशक्तिकरण ही हैं। राष्ट्र के विकास में महिलाओं के भूमिका व योगदान को पूरी तरह सही परिप्रेक्ष में रखकर ही राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बी.एड. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा कि वैदिककाल में नारी की स्थिति सुदृढ़ थी किन्तु कालान्तर में मध्यकाल, एवं ब्रिटिशकाल में इनकी स्थिति में गिरावट आयी। स्वतन्त्रता के पश्चात नारी सशक्तिकरण हेतु देशमुख समिति व हंसा मेहता समिति का गठन किया गया। नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाये जा रहे है। महिला सशक्तिकरण हेतु यह कार्यक्रम विशेष महत्व रखते हैं। क्योंकि भारत की सामाजिक–आर्थिक प्रगति महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक प्रगति पर ही निर्भर है। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ASingh

डॉ. अभिषेक सिंह
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी